

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:- आयोजनागत पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-830/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रुपये 5,000/- (रुपये पांच हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-107- संग्रहालय- 03- अधिष्ठान व्यय -00-05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0संख्या-930/वित्त (व्यय- नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

संख्या- /VI-I/ 2006-2(5)/ 2006

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:- आयोजनागत पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-827/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रुपये 1,80,000/- (रुपये एक लाख अस्सी हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार -03-बारहवें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख-00-02-मजदूरी मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0संख्या-832/वित्त (व्यय- नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

नियन्त्रण अधिकारी-निदेशक, संस्कृति निदेशालय।
संख्या- 2/नं०/CI-II/56

बी०एम०-15
पुनर्विनिर्माण 2006-07 विवरण पत्र
प्रशासनिक विभाग-संस्कृति विभाग, उत्तरांचल शासन

देहरादून दिनांक 19/09/06

| विवरण | मानक मददार अथवा वित्तिक व्यय | वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत व्यय | अवशेष सरप्लस धनराशि | लेखाश्रीक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है। | पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि | पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष कुल धनराशि | टिप्पणी (धनराशि हजार रुपये में) |
|--|------------------------------|-------------------------------|---------------------|--|--|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| अनुदान संख्या-11 | | | | | | | |
| 2205-कला एवं संस्कृति | 120 | 700 | 180 | अनुदान संख्या-11 | 181 | 820 | राज्य अभिलेखागार, उत्तरांचल, देहरादून तथा क्षेत्रीय अभिलेखागार, नैनीताल में रिकत पदों हेतु लोक सेवा आयोग की परीक्षा के इतर नियुक्ति प्रक्रिया में सम्भावित वित्तिय को दृष्टिगत रखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में प्रांतीय रक्षक दल के स्वयं सेवकों की तैनाती की गयी है। इनके पारिश्रमिक भुगतान के लिए वित्तीय वर्ष 2006-07 में 02-मजदूरी में रुपये 1000-00 मात्र धनराशि प्राकियानित की गयी है जो कि मांग की अपेक्षाकृत काफी कम है। अतएव 02-मजदूरी मानक मद के आयोजनागत पक्ष में रुपये 1,80,000=00 मात्र अतिरिक्त धनराशि की पुनर्विनिर्माण के माध्यम से रकमकृति की निम्नान्त आवश्यकता है। |
| 00- अभिलेखागार | | | | 00- 2205-कला एवं संस्कृति | | | |
| 03- बारहवें वित्त आयोग द्वारा संरुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख | | | | 03- बारहवें वित्त आयोग द्वारा संरुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख | | | |
| 00- 01-वेतन | | | | 00- 02-मजदूरी | | | |
| 1000 | | | | 180 | | | |
| योग | 1000 | 120 | 700 | 180 | 181 | 820 ✓ | |

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 155, 156 में प्राधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है।

(अभिमान श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:—आयोजनागत पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-834/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रु0 50,000.00 (रुपये पचास हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक हैं। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार-03-बारहवें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख-00-15-गाड़ियों का अनुरक्षण तथा पेट्रोल आदि की खरीद मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0संख्या-931/वित्त (व्यय-नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

१८-११ अफिकासी-निदेशक, संस्कृति निदेशालय।
संख्या- ४६४/१७-१/०६

बी०१०-१५
पुनर्विनिर्माण २००६-०७ विवरण पत्र
प्रशासनिक विभाग-संस्कृति विभाग, उत्तरांचल शासन

देहरादून दिनांक १९/०९/०६

| बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण | | मानक मदवार अर्थव्यवहिक व्यय | | वित्तीय वर्ष के शेष अवशिष्ट अनुमानित व्यय | | अवशेष सार्वजनिक धनराशि | | लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है। | | पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-५ की कुल धनराशि | | पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-१ में अवशेष कुल धनराशि | | टिप्पणी (धनराशि हजार रुपये में) | |
|---|----|-----------------------------|----|---|-----|------------------------|---|---|--|--|--|---|--|---------------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | | | | | | | | |
| अनुदान संख्या-११ २२०५-कला एवं संस्कृति ००- १०४-अभिलेखागार ०३-बारहद्वे वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख ००- १८-प्रकाशन | - | - | ५० | अनुदान संख्या-११ २२०५-कला एवं संस्कृति ००- १०४-अभिलेखागार ०३-बारहद्वे वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख ००- १५-गाहियों का अनुसंधान एवं पेट्रोल आदि की खरीद | १०० | - | वित्तीय वर्ष २००६-०७ हेतु १५-गाहियों का अनुसंधान एवं पेट्रोल आदि की खरीद मद में मांग की अपेक्षा कम आवंटन होने के फलस्वरूप सालू वित्तीय वर्ष के अवशेष ८ गाह हेतु वाहन के अनुसंधान तथा पेट्रोल आदि की खरीद में गुणावत के लिए वित्तीय वर्ष २००६-०७ में १५-गाहियों का अनुसंधान एवं पेट्रोल आदि की खरीद मानक मद के आयोजनागत पक्ष में रुपये ५०,०००=०० मात्र अतिरिक्त धनराशि की पुनर्विनिर्माण के माध्यम से स्वीकृति की निगान्त आवश्यकता है। | | | | | | | | |
| योग | ५० | - | ५० | ५० | १०० | - | | | | | | | | | |

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से बजट मैनुअल के परिच्छेद १५०, १५५, १५६ में प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(अभिलेख अधिकारी)
अपर सचिव।

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

संख्या

/VI-I/2006-2(5)/2006

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2006

विषय:- आयोजनेत्तर पक्ष की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-829/स0नि0उ0/दो-3/2006-07 दिनांक 2 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रुपये 60,000/- (रुपये साठ हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक हैं। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4-उपर्युक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-107-संग्रहालय-03 अधिष्ठान व्यय-00-02-मजदूरी मद के आयोजनेत्तर पक्ष के नामें डाला जायेगा।

5-उपर्युक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0संख्या-929/वित्त (व्यय- नियंत्रक) अनुभाग-3/2006 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं। *निर्देश*

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

संख्या- 2167/VL-II/06

दी01/10-15

पुनर्विनियोग 2006-07 विवरण पत्र

दिनांक 19/09/06

(धनराशि हजार रुपये में)

| विवरण | मानक मदवार अथवावधिक व्यय | वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय | अवशेष सरप्लास धनराशि | लेखाश्रीक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है। | पुनर्विनियोग के बाद सतम्प-5 की कुल धनराशि | पुनर्विनियोग के बाद सतम्प-1 में अवशेष कुल धनराशि | देखारून | टिप्पणी |
|---|--------------------------|--|----------------------|---|---|--|---|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | |
| अनुदान संख्या-11 2205-कला एवं संस्कृति 00- 107-संग्रहालय 03-अधिष्ठान व्यय 00- 01-वेतन | 235 | 1049 | 60 | अनुदान संख्या-11 2205-कला एवं संस्कृति 00- 107-संग्रहालय 03-अधिष्ठान व्यय 00- 02-मजदूरी | 61 | 1284 | राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा में रिक्त पदों हेतु लोक सेवा आयोग की परिधि के इतर नियुक्ति प्रक्रिया में सम्भावित विलम्ब को दृष्टिगत रखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में प्रान्तीय रक्षक दल के स्वयं सेवकों की तैनाती की गई है। इनके पारिश्रमिक के भुगतान के लिए वित्तीय वर्ष 2006-07 में 02-मजदूरी में रुपये 1000=00 मात्र धनराशि प्राविधानित गई है, जो कि मांग की अपेक्षाकृत काफी कम है। अतएव 02-मजदूरी मानक मद के आयोजनेत्तर पक्ष में रुपये 60,000=00 मात्र अतिरिक्त धनराशि की पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृति की नितान्त आवश्यकता है। | |
| योग | 1344 | 235 | 1049 | 60 | 61 | 1284 | | |

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 155, 156 में प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(अभिगम श्रीवास्तव)
अपर सचिव